दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 21 | हरिद्वार | शनिवार, 7 जून, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

छात्रों की सफलता की गारंटी बनेगा 'सुपर-100:डॉ. धन सिंह रावत

देहरादून। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज एससीईआरटी सभागार, ननूरखेड़ा में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के कक्षा-12 विज्ञान वर्ग के छात्र-छात्राओं को मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए तैयार करने हेतु 'सुपर 100' कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 100मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग दी जायेगी। जिसमें बच्चों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया गया है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. रावत ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के आत्मविश्वास को दोगुना करते हैं और उन्हें प्रतियोगी परीक्षा के लिये मजबूत

करते हैं। उन्होंने कहा कि सुपर-100कार्यक्रम बच्चों की सफलता की गारंटी साबित होगा, और इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण लेने वाले बच्चे इंजिनियरिंग व मेडिकल के क्षेत्र में अपना परचम लहरायेंगे। डॉ. रावत ने बताया कि यह कार्यक्रम 01 जून 2025 से 15 जुलाई 2025 तक कुल 45 दिनों तक चलाया जायेगा और चयनित छात्र-छात्राओं को सभी सुविधाएं नि:शुल्क दी जायेगी। जिसमें भोजन, आवास, पठन सामग्री एवं कोचिंग के लिए शिक्षकों की व्यवस्था सम्मिलित है। कोचिंग के लिए अनुभवी शिक्षकों की व्यवस्था की गयी है। कोचिंग के दौरान छात्रों का निरंतर मूल्यांकन किया जायेगा साथ ही उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों व स्थानों का भ्रमण भी कराया जायेगा। डॉ. रावत ने शिक्षकों से अपील की कि अब प्रतिस्पर्धा व आत्मनिर्भरता का समय है और इसे चुनौती के रूप में स्वीकार कर छात्रों को तैयार करने के अवसर पैदा करें। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में सहयोगी संस्था अवन्ती फेलोज का भी सहयोग लिया जा रहा है। विभागीय मंत्री ने छात्र-छात्राओं को कहा कि सफलता पाने के लिये छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होगी, इसके लिये उन्हें सिलेबस को समझना होगा और एक अध्ययन योजना बनानी होगी। इसके साथ ही नियमित अभ्यास, मॉक टेस्ट और समय प्रबंधन भी जरूरी है।

कांडा गांव में आक्रोशित महिलाओं ने डीएफओ को किया कमरे में बंद

रुद्रप्रयाग। कांडा गांव में गुलदार द्वारा निवाला बनाई गई महिला के बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत नहीं हो रहा है। सोमवार को गांव गईं डीएफओ सहित एसडीओ और रेंजर सहित कई वन कर्मियों को महिलाओं ने वन पंचायत के कमरे में बंद कर दिया। इस दौरान वन विभाग और प्रशासन के खिलाफ लोगों ने जमकर नारेबाजी। महिलाएं गुलदार को शूट करने की मांग पर अड़ी हैं। आधे घंटे बाद आश्वासन मिलने पर महिलाओं ने कमरा खोला। जखोली ब्लॉक के कांडा चमसारी तोक में घटना के तीसरे दिन भी गुलदार पकड़ से बाहर है। हालांकि वन विभाग ने यहां चार पिंजरे लगाए हैं किंतु गुलदार का कोई पता नहीं लग पाया है। सोमवार को वन विभाग के अधिकारियों को गांव में भारी विरोध का सामना करना पड़ा।

बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से 5.97 लाख के गबन का आरोप

रुद्रपुर। उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक सोमवार को शिक्षक भवन रुद्रपुर में हुई। बैठक में बैंक के खाते से नियम विरुद्ध धन निकासी कर सार्वजनिक राशि के गबन का आरोप लगाया है। वहीं बैंक प्रबंधन का घेराव किया। बैठक में सर्वसम्मति से गबन की निंदा करते हुए निर्णय लिया गया कि इस मामले की एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी तथा बैंक प्रबंधन को पत्र देकर जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक के पश्चात बाजपुर, गदरपुर, रुद्रपुर, सितारगंज एवं खटीमा विकासखंडों के प्रतिनिधियों ने बैंक प्रबंधन का घेराव कर विरोध दर्ज कराया। संगठन ने बैंक को सौंपे पत्र में आरोप लगाया कि उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रांतीय इकाई द्वारा 17 मई 2025 को पूर्व पदाधिकारियों गुलाब सिंह सिरोही, शैलेश जोशी और नितेन्द्र गिल को पद से हटाकर नई समिति गठित की गई थी। इसकी जानकारी प्रमाणित दस्तावेजों सहित 20 मई को बैंक को दे दी गई थी। उस समय खाते में ?8,22,088.70 की शेष राशि थी। आरोप लगाया कि इसके बावजूद बैंक अधिकारियों की मिलीभगत से 20 मई से 26 मई 2025 के बीच पुराने पदाधिकारियों को खाते से 5,97,630 की राशि अवैध रूप से निकालने दी गई। संगठन का आरोप है कि बैंक अधिकारियों के साथ साजिशन गबन किया गया है। संगठन ने बैंक को चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर गबन की गई राशि की प्रतिपूर्ति नहीं की गई तो बैंक प्रबंधन के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। यहां संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी कमान सामंत, दिनेश सिंह, करुणेश जोशी, ह्रदेश चौहान, हुकुम नयाल, डॉ. कमल भाटिया, तरुण कालरा, संजीव बुधौरी आदि शिक्षक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने सीता अशोक का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेश की जनता से भी आह्वान किया कि वे इस पावन कार्य में सहभागी बनें और अपनी मां के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए प्रकृति की सेवा करें। यह अभियान मातृ सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण को समर्पित है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माता के नाम पर एक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री सुबोध उनियाल और मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने भी पौधारोपण किया। पौधारोपण कर दे रहे पर्यावरण बचाने का संदेश

जिला अस्पताल में उमड़ी रोगियों की भीड़

पिथौरागढ़। जिला अस्पताल में अवकाश के बाद शुरू हुई ओपीडी में रोगियों की भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार को जिला मुख्यालय के साथ ही डीडीहाट, धारचूला सहित अन्य क्षेत्रों से लोग इलाज के लिए यहां पहुंचे। सुबह से ही अस्पताल में जगह-जगह रोगियों की भीड़ नजर आई। भीड़ अधिक होने से रोगियों को चिकित्सकीय जांच के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ा। पीएमएस डॉ. भागीरथी गर्ब्याल ने बताया कि मौसम में हो रहे बदलाव के कारण लोगों में वायरल बुखार की समस्या अधिक आ रही है। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है।

सम्पादकीय

ट्रंप का टैरिफ

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

ट्रंप का कहना है कि ईयू के इन अनुचित तौर-तरीकों के चलते अमेरिका को हर साल 250अरब डॉलर का व्यापार घाटा हो रहा है। ट्रंप का फैसला कड़ा है, लेकिन हैरत में डालने वाला नहीं। इसलिए कि दूसरी बार सत्ता में आने से काफी पहले वह अपने प्रचार के दौरान जोर-शोर से अमेरिका फर्स्ट की बात कह रहे थे। इसके तहत अमेरिका के लिए कारोबारी स्थितियां माकूल बनाने की गरज से टैरिफ लगाने के संकेत उन्होंने दे दिए थे। ट्रंप की ईयू पर 50फीसद टैरिफ संबंधी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब कुछ घंटों बाद ही अमेरिका और ईयू अधिकारियों की व्यापार वार्ता होनी थी, जो अब अधर में लटक गई है। ट्रंप को लगता है कि ईयू व्यापार समझौता करना चाहता है, लेकिन सही तरीके नहीं करता, लेकिन कोई समझौता वार्ता फैसलाकुन होने से पहले ही ट्रंप ने अप्रत्याशित तरीके से वार्ता न होने देने के हालात पैदा कर दिए। कहने में गुरेज नहीं कि ट्रंप अपने देश के कारोबार और कारोबारियों को संकट में डाल रहे हैं। इससे पहले उन्होंने एप्पल से जुड़ी पुरानी लड़ाई को भी शुरू कर दिया। अमेरिका में न बने एप्पल के आईफोन पर 25 फीसद आयात शुल्क लगाने की धमकी दी और एप्पल के शेयर एकाएक 3 फीसद गिर गए। एप्पल संबंधी उनकी बयानबाजी को विशेषज्ञों ने अव्यावहारिक करार दिया है। अब ईयू संबंधी ट्रंप की बयाजबाजी ईयू अमेरिका का मुकाबला करने के लिए सक्रिय हो जाएगा। ईयू ने कह दिया है कि वह व्यापार वार्ता करने को तैयार है, लेकिन अब उसे जवाब देना पड़ेगा। हालांकि अमेरिकी अधिकारी ट्रंप के बचाव में आ गए हैं।

भाजपा संगठनात्मक मंडल के पदाधिकारियों का स्वागत

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल से भाजपा संगठनात्मक मंडल ऋषिकेश की नवीन कार्यकारिणी ने मुलाकात की। इस दौरान डा. अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को आगे बढ़ाने की दिशा में कार्य करने को कहा। बैराज रोड स्थित कैंप कार्यालय में डा. अग्रवाल ने कहा कि भाजपा एक अनुशासनात्मक संगठन है, जो विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन भी है। कहा कि भाजपा में निर्विवाद और स्वच्छ छवि के लोगों को स्थान मिलता है। उनकी योग्यता के अनुसार पद भी दिए जाते हैं। डा. अग्रवाल ने सभी नवीन पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी। कहा कि भाजपा संगठन ने जो विश्वास आप पर जताया है, उसे जिम्मेदारी के साथ निभाएं। कहा कि भाजपा संगठन को आगे बढ़ाकर आम जनता को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें। जिससे आम जनता योजना का लाभ उठा सके। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, उपाध्यक्ष चंद्रेश्वर यादव, गुड्डी कलूड़ा, सीमा रानी, राहुल दिवाकर, महामंत्री दीपक बिष्ट, नितिन सक्सेना, मंडल मंत्री ज्योति पांडे, राधेश्याम जाटव, पवन गोयल, सौरभ गर्ग, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, कार्यालय मंत्री अंबर जोशी, मीडिया संयोजक बृज मोहन मनोड़ी, आईटी संयोजक राजेंद्र बिजल्वाण, सोशल मीडिया संयोजक अविनाश भारद्वाज आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छोटी-छोटी समस्याओं को नासूर न बनने दें अधिकारी: सुरेश

बागेश्वर। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत सोमवार को कपकोट तहसील सभागार में एक जनता दरबार का आयोजन किया। क्षेत्रीय विधायक सुरेश गढ़िया और जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने आम जन से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। कुल 23 समस्याएं व शिकायतें दर्ज की गईं। विधायक गड़िया ने कहा कि अधिकारी छोटी-छोटी समस्याओं को नासूर न बनने दें। तांकि लोगों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और इसके लिए विकास कार्यों में और अधिक गति लाई जाए। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कहा कि जनता दरबार केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे दूरस्थ क्षेत्रों से आई समस्याओं पर संवेदनशीलता से कार्य करें। जनता दरबार में पोथिंग के राजेंद्र सिंह ने पेयजल की व्यवस्था की मांग की, जबकि धनीगांव-जगथाना के ग्रामीणों ने वृक्ष पातन की अनुमति चाही। हिमांशु शाही ने ग्राम बधेली में आपदा से क्षतिग्रस्त पुलिया के पुनर्निर्माण की मांग की। प्रताप सिंह ने खतौनी में संशोधन का अनुरोध किया और फरसाली के देव गिरि ने अपने आवास की सुरक्षा दीवार को लेकर प्रशासन से मदद मांगी। कमला देवी (किलपारा) ने दिव्यांग प्रमाण पत्र की मांग रखी, जबकि हरीश सिंह (रातिरकेठी) ने जड़ी-बूटी उत्पादन हेतु तारबाड़ और आर्थिक सहायता की आवश्यकता जताई। कुंवारी, काफलीकमेडा, शामा और बडीपन्याली जैसे गांवों से आए ग्रामीणों ने विस्थापन, आवास, दस्तावेज़, और मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याएं सामने रखीं। ये रहे मौजूद- जनता दरबार में नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी, प्रशासक विकासखंड गोविंद सिंह दान, मुख्य विकास अधिकारी आरसी तिवारी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, उपजिलाधिकारी मोनिका, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुमार आदित्य तिवारी, परियोजना निदेशक शिल्पी पंत, ईई लोनिवि संजय पांडे, पीएमजीएसवाई के अंबरीश रावत, विद्युत विभाग से मोहम्मद अफजाल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

1123 का ऑनलाइन आवेदन, अब पोर्टल बंद

काशीपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई ग्रामीण) में 1123 लोग ऑनलाइन आवेदन कर चुके हैं। सर्वे पोर्टल बंद होने के बाद अब पंजीकरण नहीं हो पाएगा। बीडीओ ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति कि पात्रता के बारे में कोई आपत्ति हो तो ब्लॉक कार्यालय में उसे दर्ज कराया जा सकता है। वर्ष 225-26 में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ पाने के लिये कर्मचारियों द्वारा सर्वे के साथ ही सेल्फ सर्वे का विकल्प था। इस बार 1123 लोगों ने अपने को योजना का पात्र बताते हुए ऑनलाइन आवेदन किया। जिसमें से 813 ने अपना ऑनलाइन सेल्फ सर्वे किया। जबकि 30मई तक 310पात्र लाभार्थियों को कर्मचारियों द्वारा सर्वे किया गया। खंड विकास अधिकारी कमल पांडे ने बताया कि जिन लोगों ने सेल्फ सर्वे के दौरान अपने को पात्र बताया है उनका दोबारा कर्मचारियों द्वारा भी सर्वे किया जाएगा। वास्तव में पात्र होने पर ही उनका नाम योजना में शामिल करेंगे। कहा कि कर्मचारियों द्वारा सर्वे के बाद अपात्रों को हटाया जायेगा। बताया कि यदि किसी व्यक्ति की पात्रता को लेकर कोई आपत्ति है तो वह कार्यालय में पटल सहायक को दर्ज करा सकते हैं। बताया कि इससे पूर्व विकास खंड में 770पात्र लोगों को योजना का लाभ मिल चुका है। ये हैं अपात्र खंड विकास अधिकारी ने बताया कि आवास योजना में वह अपात्र हैं जिनके एक से एक से अधिक पक्के कमरे हों या जिनके परिवार का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी है। वह परिवार जिसका कोई सदस्य 15 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रहा हो, तिपहिया वाहन धारक या जिनके पास 2.5 एकड़ से अधिक सिचिंत भूमि हो और कम से कम एक सिंचाई उपकरण हो वह अपात्र होगा।

साप्ताहिक बाजार पर व्यापार मंडल ने जताया विरोध, हटवाए फड़

रुद्रपुर। मुख्य बाजार में हर सोमवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार अब विवादों में घिरता जा रहा है। व्यापार मंडल ने साप्ताहिक बाजार का विरोध करते हुए फड़ लगाने वाले दुकानदारों से फड़ न लगाने की अपील की है। व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय जुनेजा ने कहा कि ज्यादातर व्यापारी खुद की दुकानों के मालिक हैं, लेकिन बाहर से आकर लोग बिना अनुमति के फड़ लगाते हैं। इससे अतिक्रमण और अव्यवस्था फैलती है। हमनें अभियान शुरू किया है, जो आगे भी जारी रहेगा। मौके पर सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल भी पहुंचीं और फड़ कारोबारियों को समझाकर फड़ हटाने के निर्देश दिए। सोमवार को मुख्य बाजार में फुटपाथ व सड़क पर सामान रखकर बेचने का व्यापार मंडल ने रेडीमेड यूनियन के साथ विरोध किया और मौके से फड़ हटवाए।

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

सतपुड़ा की गोद से जन्मी आज़ादी की ज्वाला

दुर्गेश रायकवार

मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं। कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हर्राकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था। राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था। उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे। उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध है- राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया। राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा। अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया। लेकिन निडर भभूतसिंह ने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया। जुलाई 1859 में राजा भभूतसिंह ने खुलेआम विद्रोह कर दिया। अंग्रेजों ने मिलिट्री पुलिस और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी को भेजा। देनवा घाटी में युद्ध हुआ जो लगभग छह महीनों तक चला। कोरकू योद्धाओं की गुप्त युद्ध नीति और पहाड़ी मार्गों की जानकारी अंग्रेजों के भारी हथियारों पर भारी पड़ी। कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा ने चिरौठा के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर मधुमक्खियों में परिवर्तित किया और उन्हें युद्ध के एक हथियार के रूप में प्रयोग किया। भभूतसिंह द्वारा अपनाई गई छापामार युद्ध रणनीति बिल्कुल शिवाजी महाराज जैसी थी – अदृश्य रहकर प्रहार करना और जंगलों की भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाना। एक बार राखी पर्व के अवसर पर भभूतसिंह अपनी मुंह बोली बहन से राखी बंधवाने खारी गाँव पहुँचे। वहीं किसी ने अंग्रेजों को गुप्त सूचना दे दी। अंग्रेजों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया, लेकिन उनकी दिव्य शक्ति के कारण उन्हें बाँधना असंभव था। कहा जाता है कि राजा का एक विश्वासपात्र मित्र, जो उनकी शक्तियों और रहस्यों से परिचित था, अंग्रेजों से मिल चुका था। उसी की गद्दारी से भभूतसिंह को पकड़ने में अंग्रेज सफल हुए। अंग्रेजों ने उन्हें यातनाएँ दीं, परंतु वे अपने खजाने और रहस्यों की जानकारी देने को तैयार नहीं हुए। जब शारीरिक यातनाएँ बेअसर रहीं, तो उन्हें अन्न-जल से वंचित रखा गया। इसके बावजूद वे अंत तक अडिग रहे। 1860में अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर में मृत्युदंड दिया। कुछ प्रमाणों में कहा गया है कि उन्हें फांसी दी गई, वहीं कुछ में कहा गया कि उन्हें गोलियों से छलनी कर मार दिया गया। अंग्रेजों ने उनके नामोनिशान मिटाने के प्रयास में उनके राज्य को वन विभाग को सौंप दिया। यह घटना भारतीय इतिहास में पहली थी जब किसी आदिवासी की शहादत के बाद उनकी जागीर को वन क्षेत्र घोषित किया गया। आज भी देनवा नदी के तट पर राजा भभूतसिंह का बग़ीचा और भभूतकुण्ड विद्यमान है, जिसमें बारहमासी जल भरा रहता है। चौरागढ़ मंदिर में उनके द्वारा चढ़ाए गए पत्थर के त्रिशूल आज भी दर्शनार्थियों को वीरता और भक्ति का संदेश देते हैं। राजा भभूतसिंह की वीरता और बलिदान को कोरकू समाज ने लोकगीतों और भजनों के माध्यम से जीवित रखा है। पचमढ़ी क्षेत्र के गाँवों, मंदिरों और लोक संस्कृति में आज भी उनकी गाथाएँ सुनाई जाती हैं। राजा भभूतसिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि वे जनजातीय चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक बन चुके हैं। उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजों का कोप कोरकू समाज पर टूटा। अनेक कोरकू लोग पहाड़ों में छुप गए, कुछ अन्य गोंड जागीरदारों के पास चले गए, तो कुछ तात्या टोपे के साथ महाराष्ट्र तक पहुँच गए। अनेक लोगों ने अपनी पहचान छिपा ली और अपने गोत्र/सरनेम बदल लिए। राजा भभूतसिंह की वीरगाथा, अंग्रेज अधिकारी एलियट की 1865 की सेटलमेंट रिपोर्ट में भी दर्ज है। वे सतपुड़ा क्षेत्र के शिवाजी कहे जाते हैं। अफसोस है कि जिस योद्धा ने अंग्रेजों से दो वर्षों तक सतत संघर्ष किया, वह इतिहास की पुस्तकों में उचित स्थान नहीं पा सका। राजा भभूतसिंह कोरकू एक ऐसा नाम हैं, जो केवल कोरकू समाज का नहीं, पूरे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरव हैं। उनका जीवन आदिवासी अस्मिता, देशभक्ति, और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उनके बलिदान और शौर्य की गाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाना, आज की पीढ़ी का नैतिक कर्तव्य बनता है। राजा भभूतसिंह कोरकू – एक नाम नहीं, एक स्वाभिमान की ज्वाला हैं, जो आज भी सतपुड़ा की वादियों में गूंजती है।

योग करते समय न करें ये गलतियां, लाभ के बजाय हो सकता है नुकसान

योग का अभ्यास करने से शरीर और मन को कई फायदे मिल सकते हैं। हालांकि, कई लोग योग करते समय कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिनसे वे अनजान होते हैं और इनसे फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है।

इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो योग करते समय की जाती हैं ताकि इन्हें करने से बचें और योग से भरपूर स्वास्थ्य लाभ मिलें।

अभ्यास के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करना

योगाभ्यास के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करना एक आम गलती है। इससे आपका ध्यान भटक सकता है और आप पूरी तरह से योग पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं।

इसलिए योग करते समय मोबाइल फोन को दूर ही रखें। अगर आपको कोई जरूरी कॉल या संदेश है तो उसे बाद में देखें।

इससे आपका ध्यान पूरी तरह से योग पर केंद्रित रहेगा और आप अधिक प्रभावी ढंग से अभ्यास कर पाएंगे।

गहरी सांस लेने में लापरवाही बरतना

योग करते समय गहरी सांस लेना बहुत जरूरी होता है। कई लोग इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं और इसका असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है।

गहरी सांस लेने से शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है और यह मन को शांत भी करता है। इसलिए हर योगासन के दौरान गहरी सांस लेने की आदत डालें और अपने अभ्यास को अधिक फायदेमंद बनाएं।

इससे आपका योगाभ्यास भी बेहतर होगा और आप अधिक स्वस्थ महसूस करेंगे।

वार्मअप न करना

योग से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी होता है। इसके बिना शरीर की मांसपेशियां ठीक से नहीं खुलतीं और इससे चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है।

वार्मअप से शरीर का तापमान बढ़ता है और मांसपेशियां लचीली होती हैं, जिससे योगाभ्यास करना आसान हो जाता है।

इसलिए हर बार योग करने से पहले कुछ मिनट वार्मअप जरूर करें ताकि आपका शरीर तैयार हो सके और आप बिना किसी खतरे के योग का पूरा लाभ उठा सकें।

योगासन के दौरान सही मुद्रा न अपनाना

योग करते समय सही मुद्रा अपनाना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे शरीर को पूरा लाभ मिलता है।

कई लोग जल्दीबाजी में गलत मुद्रा अपनाते हैं, जिससे उन्हें फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है।

सही मुद्रा से न केवल योग का अभ्यास बेहतर होता है, बल्कि शरीर में ऊर्जा भी बनी रहती है।

इसलिए हमेशा ध्यानपूर्वक और सही तरीके से योगासन करें ताकि आप पूरा लाभ उठा सकें और किसी भी तरह की चोट से बच सकें।

बांग्लादेश देश के मुखिया मोहम्मद यूनिस भी चाइना से मिलकर पूर्वोत्तर भारत में साजिशे रच रहे हैं

अजय दीक्षित

मोहम्मद यूनिस ने हाल ही में चाइना में कहा कि चिकन नेक भारत की दुखती रग हैाये बात उन्होंने ऐसे समय पर कही है जब भारत और बांग्लादेश के संबंधों में निर्वासित शेख हसीना की भारत में उपस्थिति को लेकर तल्खी आयी है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अगस्त 2025 से भारत में शरण ले रखी है। और बांग्लादेश पर मुस्लिम कट्टर पंथियों जमायते इस्लामी संगठन का कब्जा है। भारत एक ऐसा देश है कि जो अपने पड़ोसियों देशों से परेशान हैं क्योंकि अभी हाल ही में पाकिस्तान के साथ पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद तीन दिनों का युद्ध भी हुआ। बांग्लादेश में भारत विरोधी सरकार हैपूर्व में ही एक अन्य देश म्यांमार में सैनिक शासन है और वहां ग्रह युद्ध चल रहा है।ऑर्गन आर्मी ने तीस प्रतिशत उस भूभाग पर कब्जा कर लिया जहां से कार्डन कोरिडोर गुजर रहा है जिसे भारत चिकन नेक के वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित कर रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी और गोहाटी की दूरी भी कम हो सके और दूसरा रास्ता भी मिल जाय।क्योंकि इस मुर्गे की गर्दन पर बांग्लादेश की ब्लैक मेलिंग पूर्वी पाकिस्तान के समय से चल रही है और चाइना की नजर हमेशा अरुणाचल प्रदेश और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों पर बनी रहती है। जब शेख हसीना सरकार बांग्लादेश में थी तब भारत आराम दायक स्थिति में था लेकिन मुस्लिम कट्टर पंथियों की जमायत इस्लामी सरकार ऐसा लगता है कि 1971 से पहले की स्थिति को बांग्लादेशी आवाम को भूलने का अभियान चला रही है और चाइना पूरी तैयारी के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश को हवा दे रहा हैं। चाइना भारत के बहुआयामी कोरिडोर जो म्यांमार से त्रिपुरा तक जमीनी रास्ते से जाएगा उसमें भी अड़ंगा डाल रहा है यद्यपि आर्गन आर्मी ने यह हिस्सा अपने कब्जे में लिया है मगर चाइना म्यांमार की सैनिक शासन की मदद कर रहा है वहां गृह युद्ध चल रहा है। बांग्लादेश के सलाहकार मोहम्मद यूनिस ने चाइना बीजिंग में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चिकन नेक कमजोर कड़ी है।दरअसल पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी से असम, मेघालय मिजोरम, नागालैंड त्रिपुरा, मणिपुर,जाने का बीस किलोमीटर चौड़ा और 1800किलोमीटर रास्ता भारत भूमि है और ये आजादी के समय ब्रिटिश ने गजट नोटिफाइड की थी ।बाकी हिस्सा पाकिस्तान को चला गया जो बंगाल की खाड़ी तक जाते हैं। भारत ने 2010में कार्डन से होता हुआ समुद्र के रास्ते पिखलुआ तक फोर लेन रोड म्यांमार से सूकी के शासन में अनुबंधित किया था 2025 तक इरकॉन को इसे बनाना था मगर सैनिक बलों ने सूकी को जेल में डाल दिया। तख्ता पलटकर फौज शासन में आ गईतो पूरी परियोजना को नए सिरे से अप्रैल 2025 में फिर शुरू किया मगर जिस ज़मीन पर यह त्रिपुरा तक जानी है उस पर अब म्यांमार के विद्रोही गुटों का कब्जा है जिन्हें अमेरिका से मदद मिली हुई है। म्यांमार 1937 से पूर्व भारत का हिस्सा था इसे वर्मा कहते थे और भारत के लोग यहां तक कि उत्तर प्रदेश के लोग तत्कालीन वर्मा देश में व्यवसाय भी करते थे लेकिन कालांतर में ब्रिटिश ने इस हिस्से को वहां रहने वाली जनजाति के कारण भारत से अलग राष्ट्र बना दिया।सूकी के पिता यहां के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे सूकी दिल्ली में पड़ी है और अच्छी हिंदी भाषा बोली और लिख देती हैं। मोहम्मद यूनिस इन दिनों भारत के खिलाफ अभियान चला रहे क्योंकि वह काफी अरसे से अमेरिका में रह कर भारत का विरोध इस आधार पर करते थे क्योंकि शेख हसीना सरकार भारत के हित को ध्यान रखती थी। हालांकि वे चाइना से भी संबंध रखते थे परंतु भारत की अनदेखी नहीं करती थीं। लेकिन अगस्त 2024 से बांग्लादेश और भारत के संबंध पहले जैसे नहीं रहे।

एम्स के डॉक्टरों की उपलब्धि, टीम वर्क से मिली सफलता

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। एम्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुभव और टीम वर्क की कौशलता की यह एक मिसाल है। एक साल से अधिक समय से फीडिंग पाईप से भोजन ग्रहण कर रही जो महिला अपनी बीमारी को नियति मानकर जीवन की आस खोने लगी थी, डॉक्टरों की टीम ने सर्जरी द्वारा उसकी नयी आहार नली बना दी। आम लोगों की तरह मुंह से भोजन शुरू हुआ तो मानों महिला का जीवन वापस लौट आया। सर्जरी के बाद महिला अब आम लोगों की तरह भोजन ग्रहण कर रही है और अपने घर पर रहते हुए पूरी तरह स्वस्थ है। एसिड युक्त टॉयलेट क्लीनर पेट में चले जाने के कारण मुरादाबाद की एक 24 वर्षीय महिला की आहार नली पूरी तरह से जल गयी थी। इस वजह से वह पिछले 13 महीनों से फीडिंग ट्यूब के जरिए ही तरल भोजन पर निर्भर थी और मुंह से कुछ भी खाने-पीने में असमर्थ थी। इस दौरान उसका जीवन एक ट्यूब (फीडिंगजेजुनोस्टॉमी) के माध्यम से तरल आहार पर चल रहा था। चिकित्सीय भाषा में पेट में तरल भोज्य पदार्थ पहुंचाने की यह एक ऐसी व्यवस्था है जिससे ट्यूब नली के माध्यम से भोजन को सीधे पेट की छोटी आंत में पहुंचा दिया जाता है। एम्स आने से पहले महिला ने कई अस्पतालों से इलाज भी करवाया लेकिन कई अस्पतालों द्वारा एंडोस्कोपी करने के बाद भी उसकी भोजन नली में आयी रुकावट दूर नहीं हो पाई। आखिर में एम्स पंहुचने पर जांचों के उपरान्त सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के डॉक्टरों ने रोगी की बड़ी आंत के एक हिस्से से नई आहार नली (इसोफेगस) बनाने का निर्णय लिया। सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के हेड व सर्जरी करने वाले शल्य चिकित्सक डॉ. लोकेश अरोड़ा ने इस बारे में बताया कि ''कोलोनिक पुल-अप'' नामक इस सर्जरी की प्रक्रिया में आंत का हिस्सा पेट से होते हुए छाती के रास्ते गले तक खींचा गया। जोखिम भरी इस सर्जरी में लगभग 7 घंटे का समय लगा और विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने मिलकर इसे सफल बनाया। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉक्टर) मीनू सिंह और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्याश्री ने इस उपलब्धि पर सर्जरी करने वाली टीम के कार्यों की प्रशंसा की है।

चुनौतियां : डॉ. लोकेश अरोड़ा ने बताया कि इस सर्जरी की सबसे बड़ी चुनौती आहार नली के पास स्थित वॉयस बॉक्स को सुरक्षित रखना था। ऐसे में थोड़ी सी भी चूक होती तो स्वरयंत्र को स्थायी नुकसान हो सकता था और महिला की हमेशा के लिए आवाज जा सकती थी। इसलिए अलग-अलग विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित की गयी और टीम की गहन निगरानी की वजह से यह सर्जरी पूरी तरह सफल रही। टीम में शामिल डॉक्टर्स: डॉ. लोकेश अरोड़ा (विभागाध्यक्ष, सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी) के अलावा इस टीम में इसी विभाग की डॉ. सुनीता सुमन, डॉ. नीरज यादव, डॉ. विनय, डॉ. अजहर, डॉ. शुभम, डॉ. अमन, ईएनटी सर्जन डॉ. अमित त्यागी, एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. संजय अग्रवाल व नर्सिंग ऑफिसर दीप, मनीष, सीमा और रितेश आदि शामिल रहे।

ऐसे हुई रिकवरी: सर्जरी के बाद रोगी को 5 दिन तक सीसीयू में रखा गया। जनरल वार्ड में शिफ्ट करने के बाद रोगी ने 8वें दिन से मुंह से भोजन करना शुरू कर दिया था और 15वें दिन उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। हालांकि यह सर्जरी जनवरी माह में हो चुकी थी, लेकिन पिछले 4 महीनों तक डॉक्टर्स नियमिततौर पर फोन द्वारा और फॉलोअप हेतु बुलाकर उसके स्वास्थ्य की मॉनेटेरिंग कर रहे थे। चिकित्सकों के अनुसार सम्पूर्ण भोजन करने से अब उसका 1 किलोग्राम वजन बढ़ गया है और वह सामान्य जीवन जीते हुए पूरी तरह स्वस्थ है।

थराली में निर्माणाधीन पुल क्षतिग्रस्त मामले में तीन अभियंता निलंबित

मुख्यमंत्री का सख्त संदेश, काम में लापरवाही पर दंड भुगतने के लिए तैयार रहें अधिकारी और कर्मचारी

देहरादून/चमोली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जनपद चमोली के थराली में निर्माणाधीन पुल के क्षतिग्रस्त होने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग के 3 अभियंताओं को निलंबित कर दिया गया है। इस प्रकरण पर सचिव लोक निर्माण विभाग पंकज कुमार पांडे द्वारा थराली में क्षतिग्रस्त हुए पुल प्रकरण पर लोक निर्माण विभाग के तीन इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पारदर्शी और जवाबदेह शासन की दिशा में ठोस और निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश है कि राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाया जाए और प्रशासन में जवाबदेही सुनिश्चित की जाये। हाल के महीनों में सरकार ने यह दिखा भी दिया है कि भ्रष्टाचार के साथ ही अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने पर किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जायेगी। प्रत्येक अधिकारी-कर्मचारी स्वयं अपने कर्तव्य और उत्तरदायित्वों के प्रति जिम्मेदारी की भावना से कार्य करे।ईमानदारी और पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें। उत्तराखंड को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना ही सरकार का लक्ष्य है। यदि कोई अधिकारी-कर्मचारी अपने दायित्वों और कर्तव्यों के प्रति लापरवाही करता है, जनहित के कार्यों के प्रति लापरवाही करता है या भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जाता है तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।ऐसे लापरवाह कर्मचारियों और अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने किया फिल्म ''गौदान की पुकार'' की शूटिंग का शुभारम्भ

जतिन शर्मा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को धारकोट देहरादून में ''गौदान की पुकार'' फिल्म के मुहूर्त शॉट को क्लैप किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गौरक्षा और गौकल्याण पर आधारित यह फिल्म गौसेवा के लिये प्रेरणा प्रदान करने में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रमुख केन्द्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। इस अवसर पर स्वामी आत्मानन्द महाराज, फिल्म के निर्माता विनोद कुमार चौधरी, मनोज जोशी एवं उपासना सिंह समेत अन्य कलाकार उपस्थित थे।

पौधारोपण कर दे रहे पर्यावरण बचाने का संदेश

जतिन शर्मा

देहरादून/रायवाला। विश्व पर्यावरण दिवस पर स्टेप्स हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन और नवदीप फाउंडेशन ने मिलकर रायवाला में 17 वृक्षों का रोपण करा। वैभव पोखरियाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण महत्वपूर्ण है, हम सभी को मिलकर जन सहभागिता को प्राथमिकता देनी चाहिए, पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थानीय निवासियों के साथ जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। कहा कि हमारी राज्य सरकार लोकपर्व हरेला को प्राकृतिक संरक्षण के महापर्व के रूप में बृहद स्तर पर मानती है। कहा कि हम सभी को संकल्पबद्ध होकर जन्म दिवस, विवाह व सभी शुभ अवसरों पर पौधारोपण करना चाहिए। वृक्षारोपण में नवदीप फाउंडेशन के सचिव अक्षत त्रिवेदी व स्टेप्स हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के सचिव शुभम रयाल कोषाध्यक्ष वैभव पोखरियाल, कान्हा, सूरज, उज्जवल, अभिनव, अक्षत सहित बहुत से लोगों ने हिस्सा लिया।

18 जून तक रात्रि में बंद रहेगा क्वारब पर मार्ग

अल्मोड़ा। जिला मजिस्ट्रेट व अध्यक्ष जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग' 87 विस्तार (नया-109) के किमी-56 क्वारब पुल के पास हिल साईड की ओर लगभग 200 मी० लम्बाई में भू-स्खलन जोन बन जाने एवं मलवा बोल्डर सड़क में गिरने के कारण सुलभ एवं सुरक्षित यातायात के दृष्टिगत पोकलेन, जेसीबी मशीनें तथा टिप्पर लगाते हुए क्षतिग्रस्त भाग में पहाड़ी की ओर हिल कटिंग का कार्य कराया जा रहा है। मार्ग में कटिंग करने के बाद सोलिंग आदि कार्य करते हुए मार्ग को यातायात हेतु लगातार सुलभ बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी भी सड़क पर पहाड़ी से पत्थर/मलबा आदि गिरना कुछ-कुछ समायान्तराल पर जारी होने के कारण मोटर मार्ग रात्रि समय में यातायात हेतु असुरक्षित है। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा-क्वारब राष्ट्रीय राजमार्ग-109 के किमी 56 में हो रहे लगातार भू-स्खलन, सड़क धसने व बोल्डर गिरने से यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत आपदा प्रबन्धन अधिनियम-2005 में प्रदत्त शक्तियों के क्रम में 03 जून से 18 जून 2025 तक रात्रि 11:00 बजे से प्रात: 05:00 बजे तक हल्के एवं भारी वाहनों के संचालन हेतु पूर्णत: प्रतिबन्धित रहेगा। उन्होंने बताया कि इस निर्देश में किसी भी प्रकार की शिथिलता अक्ष्म्य होगी, आदेशों की अवेहलना को गम्भीरता से लिया जायेगा तथा प्रतिबन्धित समय पर सड़क दुर्घटना एवं वाहन संचालन हेतु सम्बन्धित चौकी/थाना प्रभारी पूर्णत: जिम्मेदार होंगे। एम्बुलेंस/क्रेन एवं अन्य आवश्यकीय सेवाओं में प्रयुक्त होने वाले वाहन इस प्रतिबन्ध से मुक्त रहेंगे। यदि किसी वाहन के प्रतिबन्धित अवधि में यातायात अपरिहार्यता हो तो क्षेत्र के सम्बन्धित उपजिलाधिकारी/पुलिस क्षेत्राधिकारी/जिला आपदा प्रबन्धन अधिकारी, अल्मोड़ा निर्णय लेने हेतु अधिकृत होंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं
एस-3, अशोक विहार कालोनी,
कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
से प्रकाशित।
सम्पादक: **देवेन्द्र जौहरी**
मो. – **9997331129**
E-mail :
gurukripadarpan@gmail.com